धमतरी बन रहा रोल मॉडल : धान के बदले दलहन-तिलहन ने बदली सोच

❒ साढ़े सात हजार करोड़ लीटर से अधिक पानी बचा, लगभग दो हजार 600 करोड़ रुपये से अधिक का फायदा अनुमानित

❒ किसान भी बोले : जीवन बचाना है, तो पानी बचाना जरूरी

धमतरी | आरएनएस

छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में गर्मी के धान के बदले चना, सरसों, मूंग, अलसी, तोरिया, सूर्यमुखी जैसी दलहन-तिलहन फसलों की खेती ने किसानों की परम्परागत सोच में भारी बदलाव किया है। धान छोडक़र दलहन-तिलहन की खेती के फायदों को किसान अब अच्छी तरह से समझने लगे हैं। धमतरी फसल चक्र परिवर्तन से जल संरक्षण के रोल मॉडल के रूप में प्रदेश ही नहीं, देश में भी स्थापित हो रहा है। पिछले एक वर्ष में धमतरी जिले में गर्मी के धान के रकबे में एक साथ छ: हजार 200 हेक्टेयर से अधिक की कमी आई है। धान की खेती में आई इस कमी से किसानों को पानी, बिजली, खाद, दवाई और मजदूरी मिलाकर खेती की लागत कम होने से लगभग दो हजार 641 करोड़ रूपये का फायदा कृषि विशेषज्ञों ने अनुमानित किया है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि इस अभियान से किसानों को प्रत्यक्ष रूप से तत्काल कोई बड़ा आर्थिक लाभ भौतिक रूप से दिखाई तो नहीं देगा, परन्तु पानी बचाकर, जीवन बचाने के इस अभियान के परिणाम दूरगामी होंगे। किसानों को हुआ लाभ अनुमानित लागत और गणना पर आधारित है। इस हिसाब से अभियान के आगे बढऩे के साथ-साथ इससे होने वाले बहुगामी फायदे भी स्वत: ही सामने आएंगे। कृषि विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि भले ही भौतिक रूप से पैसा किसानों के हाथ में ना आया हो, लेकिन एक सोच से इतनी बड़ी राशि का एक फसल अवधि में ही फायदा, किसानों की सोच बदलने का मुख्य कारण बन रहा है।

कृषि विशेषज्ञों का अनुमान, दो हजार 641 करोड़ रूपये का किसानों को हुआ फायदा :

पिछले वर्ष जिले में गर्मी में 30 हजार 339 हेक्टेयर रकबे में धान की खेती गई थी, जो कि इस वर्ष प्रशासन के प्रयास और किसानों की सहभागिता से 24 हजार 056 हेक्टेयर रह गया। कृषि विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया है कि ग्रीष्मकालीन धान के रकबे में छ: हजार 283 हेक्टयेर की कमी ने जिले के किसानों को दो हजार 641 करोड़ रूपये का फायदा पहुंचाया है। कृषि विशेषज्ञों ने बताया कि एक हेक्टेयर, याने लगभग ढाई एकड़ रकबे में लगी धान की फसल के उत्पादन में एक करोड़ 20 लाख लीटर पानी की जरूरत पड़ती है। वहीं इतने ही रकबे में लगी दलहन-तिलहन की फसल को आधे से कम 40 लाख लीटर पानी की जरूरत होती है। इसमें भी धान 120 दिन में पकता है, तो दलहन-तिलहन 40 दिन पहले 80 दिन में ही उत्पादन दे देते हैं। कृषि विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया है कि धान के रकबे में 6 हजार 283 हेक्टेयर की कमी ने जिले में 7 हजार 539 करोड़ लीटर पानी बचाया है। यदि खेतों में सिंचाई के लिए पानी की कीमत 25 पैसे प्रति लीटर भी मानी जाए, तो किसानों के लगभग एक लाख 8 हजार 885 करोड़ रूपये केवल धान की जगह दलहन-तिलहन की फसल लगाने से ही बच गए हैं। इस पर कृषि विशेषज्ञों ने यह भी अनुमान लगाया है कि यदि भूमि से एक लीटर पानी सतह तक निकालने में 0.02 यूनिट बिजली की खपत होती हो, तो लगभग 151 करोड़ यूनिट बिजली की भी बचत हुई है, जिसकी दर यदि औसत 5 रूपये प्रति यूनिट भी लगाई जाए, तो इससे 754 करोड़ रूपये बचे हैं। धान की खेती में मजदूरी और खाद, दवाई आदि का खर्च भी दलहन-तिलहन की फसलों से लगभग दोगुना है। इस आधार पर भी कृषि विशेषज्ञ बताते हैं कि जिले में ग्रीष्मकालीन धान के बदले 6 हजार 283 हेक्टेयर रकबे में लगी दलहन-तिलहन की फसलों की काश्त लागत में कमी से भी किसानों ने लगभग तीन करोड़ रूपये की बचत कर ली है।जिला प्रशासन के प्रयास, किसानों की सहभागिता का भी अनूठा उदाहरण :

ऐसा नहीं कि धमतरी जिले में गर्मी के धान की फसल नहीं लेने के फैसले को किसानों पर दबावपूर्वक थोपा गया हो। सकारात्मक सोच के साथ सटीक योजना बनाकर सबसे पहले किसानों को गर्मी में धान की फसल लेने से होने वाले नुकसान को बताया गया। कृषि विभाग के अधिकारियों, प्रशासन के आला अफसरों ने गांव-गांव जाकर सभाएं कीं और किसानों को गर्मी में धान की फसल लेने से होने वाले नुकसान की जानकारी दी। इस पर प्रकृति ने भी प्रशासन का साथ दिया और दो वर्ष पहले जिले में गर्मी के मौसम के अंतिम चरण में पानी की भारी किल्लत के कारण लगी धान की फसल खराब होने की घटना ने भी किसानों की आंखें खोल दी। इस अभियान के लिए जिले में लगभग 28 हजार किसानों की सहभागिता सुनिश्चित की गई। गांवों में 265 विशेष शिविरों में कृषि विशेषज्ञों, विभागीय अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों सहित कृषि और आजीविका महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं और जल संरक्षण अभियान से जुड़ीं प्रेरणादायी हस्तियों ने किसानों को इस अभियान का महत्व समझाया। जिला मुख्यालय से लगभग 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित परसतराई गांव के सरपंच परमानंद आडिल ने बताया कि दो साल पहले गांव में लगी गर्मी की धान की फसल अपने अंतिम चरण में पानी की कमी के कारण सिंचाई नहीं होने से खराब हो गई। परसतराई के साथ-साथ आसपास के बड़े इलाके में जमीन का वाटर लेबल भी काफी नीचे चला गया। तालाब, डबरी सूखने से निस्तारी की समस्या भी हो गई। उन्होंने बताया कि इस भयावह स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन की मदद से गांव में गर्मी की फसल नहीं लेने का सामुहिक निर्णय हुआ। प्रशासन ने इसके लिए ग्रामीणों की भरपूर मदद की। दलहनी-तिलहनी फसलों पर जोर दिया गया, चना, गेहूं, सूर्यमुखरी, सरसों, अलसी, कुल्थी, तिवड़ा, तिल जैसी दलहनी-तिलहनी फसलों की काश्तकारी की जानकारी कृषि विभाग के अधिकारियों ने दी।

फसलों के बीज से लेकर अन्य दूसरे कृषि आदानों के लिए प्रशासन की सहायता मिली। सरपंच आडिल ने बताया कि प्रशासन की योजना और गांव के सामूहिक निर्णय पर किसानों ने गर्मी धान की फसल की जगह पर अपने खेतों में दलहन-तिलहन की फसलें लगाईं और पानी के साथ-साथ खेती-किसानी की लागत कम होने से अच्छा लाभ कमाया। परसतराई का यह मॉडल जल्द ही पूरे जिले में फैल गया और पिछले साल धमतरी जिले में गर्मी में धान की फसल के रकबे में भारी कमी आई।

महत्वपूर्ण एवं खास

छत्तीसगढ़ के 11 अफसर आईएएस पदोन्नत

कोरबा-रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में आईएएस पदोन्नत होने वाले अधिकारियों में हीना अनिमेश नेताम, अश्विनी देवांगन, डॉ रेनुका श्रीवास्तव, आशुतोष पांडेय, अजय कुमार अग्रवाल, रीता यादव, लोकेश कुमार, प्रकाश कुमार सार्वा, गजेंद्र सिंह ठाकुर, तनुजा सलाम और डॉ. संतोष कुमार देवांगन शामिल हैं। बता दे कि .राज्य प्रशासनिक सेवा के 11 अफसरों को आईएएस प्रमोट किया गया है. डीओपीटी ने इस संबंध में सोमवार को नोटिफिकेशन जारी किया है. डीओपीटी ने साल 2021, 2022 और 2023 की रिक्तियों के आधार पर राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों का प्रमोशन किया है।

युवक के खाते से 50 हजार पार

रायपुर (आरएनएस)। अज्ञात मोबाइल के धारक ने युवक के खाते से 50 हजार रुपए आहरण कर लिया। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी सास्वत सुराना 32 वर्ष आनंदम वर्ड सिटी कचना खम्हारडीह का रहने वाला है। प्रार्थी ने टिकरापारा थाना में शिकायत किया कि उसकी साली प्रियंका जैन ने फेसबुक के माध्यम से ऑनलाइन सामान का आर्डर किया था। जिससे सामान गलत आने पर वापस करने के लिए ऑनलाइन प्रोसेस किया तो 70427-70427 से कॉल आया और लिंक भेजा जिसे क्लिक करने पर युवक के एसबीआई बैंक के खाते से 50 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

ट्रक ने स्कूटी सवार दो युवकों को रौंदा

रायपुर (आरएनएस)। ग्राम टाड़ा स्थित बिंदेश्वर कंपनी के पास एक तेज रफ्तार ट्रक के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए स्कूटी सवार दो युवक को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे दोनों युवक की मौत हो गई। मामले में धरसींवा पुलिस ने ट्रक जब्त कर चालक को हिरासत में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार सूर्या नगर गोगांव निवासी मृतक गणेश साहू 22 वर्ष अपने दोस्त राकेश साहू 27 वर्ष के साथ स्कूटी क्रमांक सीजी 04 एनएम 8576 से कहीं जा रहा था, तभी ग्राम टाड़ा मोहंदी स्थित बिंदेश्वर कंपनी के पास ट्रक क्रमांक सीजी 10 एके 9621 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए स्कूटी को टक्कर मार दिया। जिससे दोनों युवक की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं दोनों युवकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गांजा के साथ 3 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर | आरएनएस

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय डॉ. लाल उमेद सिंह के दिशा निर्देश पर रायपुर पुलिस द्वारा नशे के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ ही अवैध प्रतिबंधित मादक पदार्थो सहित प्रतिबंधित नशीली टेबलेट एवं सिरप तथा सूखे नशे के तस्करी, खरीदी-बिक्री, नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राईम रायपुर के नेतृत्व में 11 सदस्यीय ।दजप छंतबवजपबे ज्ो थ्वतबम टीम का गठन किया गया है। जिसमें उक्त टीम को म्दक जव म्दक एवं फाइनेंशियल इनवेस्टिगेशन, सोर्स प्वाइंट, डेस्टिनेशन प्वाइंट पर प्रभावी कार्यवाही करने सहित स्त्रोत के बारे में विस्तृत जानकारी लेकर उनके विरूद्ध विधिसंगत विधिवत कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है।

इसी तारतम्य में दिनांक 02.02.25 को एण्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स को सूचना प्राप्त हुई कि थाना मुजगहन क्षेत्रांतर्गत साहू समाज भवन स्थल से कांदूल रोड पास कुछ व्यक्ति खड़े है, जो अपने पास बिक्री हेतु गांजा रखें है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा टीम को आरोपियों की पतासाजी कर गांजा के साथ रंगे हाथ पकडऩे निर्देशित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स, एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना मुजगहन पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के व्यक्तियों को चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्तियों ने अपना नाम रोहन ऊर्फ पिंटू शर्मा, गोपाल आसुदानी एवं कमल किशोर वैष्णव होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उनके पास रखें पॉलीथीन की तलाशी लेने पर पॉलीथीन में गांजा रखा होना पाया गया।

जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा आरोपी रोहन ऊर्फ पिंटू शर्मा, गोपाल आसुदानी एवं कमल किशोर वैष्णव को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2.776 किलोग्राम गांजा, बिक्री रकम 2000/- रूपये एवं 03 नग मोबाईल फोन जुमला कीमती लगभग 40,000/- रूपये जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध थाना मुजगहन में अपराध क्रमांक 28/25 धारा 20बी नारकोटिक एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी

01. रोहन ऊर्फ पिंटू शर्मा पिता खेलन प्रसाद शर्मा निवासी भाठागांव थाना कुरूद जिला धमतरी।*

02. गोपाल आसुदानी पिता देवादास आसुदानी उम्र 24 साल निवासी आरडीए कालोनी डिपरापारा थाना डी0डी0 नगर रायपुर।*

03. कमल किशोर वैष्णव पिता शिव कुमार निवासी बीएसयूपी कालोनी ब्लॉक 15 म0नं0 4 काठाडीह थाना मुजगहन जिला रायपुर।*

कार्यवाही में निरीक्षक आशीष राजपूत थाना प्रभारी मुजगहन, एण्टी क्राईम एण्ड साइबर यूनिट से प्रभारी निरीक्षक परेश कुमार पाण्डेय, सउनि. मंगलेश्वर सिंह परिहार, प्र.आर. गुरूदयाल सिंह, आर. कमल धनगर, भूपेन्द्र मिश्रा, अजय चौधरी, हरजीत सिंह तथा थाना मुजगहन से सउनि. आशीष दीक्षित की महत्वपूर्ण भूमिका रहीं।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में संजीवनी 108 वाहनों की बदहाल स्थिति पर सुनवाई, विभागीय सचिव को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

बिलासपुर | आरएनएस

छत्तीसगढ़ में संजीवनी 108 इमरजेंसी सेवा के गाडिय़ों की बदहाल स्थिति की खबरों को संज्ञान लेकर जनहित याचिक के रूप में उच्च न्यायालय ने सुनवाई की है. चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा और न्यायाधीश रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने मामले की सुनवाई की.

इस दौरान चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने संजीवनी 108 के वाहनों की बदहाल स्थिति पर नाराजगी जताई. मामले में विभागीय सचिव से जवाब मांगा गया है.

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पूरे राज्य में 108 वाहनों की स्थिति को लेकर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है.

सुनवाई में चीफ जस्टिस ने अतिरिक्त महाधिवक्ता यशवंत ठाकुर से पूछा कि आपातकालीन स्थिति में अत्याधुनिक तकनीक सुविधा वाली कितनी एम्बुलेंस हैं ? इसकी जानकारी उपलब्ध कराई जाए. वहीं मामले में अगली सुनवाई 14 फरवरी, 2025 को होगी.

छत्तीसगढ़ में तेजी से बदल रहा मौसम का मिजाज

रायपुर | आरएनएस

छत्तीसगढ़ में आज मौसम शुष्क बना हुआ है. पिछले कुछ दिनों में सूरज चढऩे के बाद गर्मी तो दिन ढलने के बाद हल्की ठंड महसूस हो रही है. एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने वाला है. दो दिनों के बाद तापमान में गिरावट की संभावना है. सोमवार 3 फरवरी को प्रदेश में दंतेवाड़ा सबसे गर्म रहा. जहां 36.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. वहीं बलरामपुर में न्यूनतम तापमान 10.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा ने बताया कि पश्चिमी अफगानिस्तान और ईरान के ऊपर 3.1 किलोमीटर से 9.4 किलोमीटर ऊंचाई पर एक पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है. सके प्रभाव से प्रदेश में पूर्वी से हवा आ रही है जिसके कारण न्यूनतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है हालांकि गिरावट संभावित है. प्रदेश में 4 फरवरी से न्यूनतम तापमान में वृद्धि होने की संभावना है. जिसके बाद 6 और 7 फरवरी को न्यूनतम तापमान में गिरावट होने की संभावना बन रही है. इस अवधि में प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना है. राजधानी रायपुर में आज आकाश मुख्यत: साफ़ रहने की संभावना है. मौसम विभाग के मुताबिक, आज रायपुर में अधिकतम 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है.

मामूली विवाद पर चाकूबाजी करने वाले तीन गिरफ्तार

छुरिया-रायपुर | आरएनएस

मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी देवेन्द्र चंद्रवंशी निवासी टाटेकसा थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 03/02/2025 को ग्राम हालेकोसा में मंडाई होने से वह अपने दोस्तों के साथ ग्राम भण्डारपुर आए थे तथा मंडाई देखकर हालेकोसा से घूमने के लिए रात करीब 10:00 बजे छुरिया के लिए मोटर साइकिल से निकले थे। हालेकोसा मोड के आगे पहुंचे थे तभी उनके मोटर साइकिल के आगे स्कूटी में तीन सवार अजय पटोरिया, तुषार अग्रवाल, जतीन गोस्वामी उन्हें ओव्हर टेक व कट मार रहे हो कहकर मां बहन की अश्लील गाली देते हुए उनके मोटर साइकिल को लात से मारकर इन लोगों को मोटर साइकिल सहित गिरा दिए तथा तीनों हाथ मुक्का झापड़ व लात से इनको मारने लगे तथा एक लडक़ा चाकू जैसा हथियार से उसे पीठ में तथा विक्रम कंवर को कुल्हे के पास मारा जिससे वह बेहोश जैसा हो गया था कि बाद में गांव के मुकेश एवं त्रिदेव कंवर गाड़ी लेकर आये व उसे तथा विक्रम कंवर को बैठाकर भण्डारपुर ले गए थे जहां से डायल 112 को कॉल कर गांव वाले बुलाए तब 112 वहां से छुरिया अस्पताल लेकर आए तथा उपचार कराये है प्रार्थी कि रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के दिशा निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा , अनुशअधिकारी पुलिस डोंगरगढ़ आशीष कुंजाम के मार्गदर्शन में आरोपियों का पता तलाश कर पुछताछ करने पर जुर्म स्वीकार करने से दो पहिया वाहन से ओव्हर टेक करने की बात पर आहतों को हाथ मुक्का व लात से मारपीट करना तथा आरोपी अजय पटोरिया अपने मेमोरेण्डम कथन में धार दार चाकू से वार करना स्वीकार करने से चाकू को गवाहों के समक्ष मुताबिक जप्तिपत्रक जप्त किया गया। आरोपी तुषार अग्रवाल से घटना में प्रयुक्त बिना नंबरी नीला रंग की होण्डा एक्टिवा जप्त किया गया। आरोपी अजय उर्फ अज्जु के द्वारा धारदार चाकू को प्रयुक्त किये जाने से प्रकरण में पृथक से धारा 25, 27 आम्र्स एक्ट जोडी गई । आरोपीगणों के द्वारा अपराध धारा सदर का घटित करना पाये जाने पर आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में माननीय न्यायालय पेश किया गया।

छत्तीसगढ़ आईटी रेड: 10,00,00,00,000 की गड़बड़ियों के सबूत मिले, होगा बड़ा खुलासा

रायपुर | आरएनएस

राइस मिलर्स, एक्सपोर्ट्स कमीशन एजेंट्स, राइस ब्रोकर्स के ठिकानों पर की गई आयकर छापे की कार्रवाई में करीब 10,00,00,00,000 रुपए की गड़बडिय़ों के दस्तावेज मिले हैं.

छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और आंध्रप्रदेश के 25 कारोबारी-आवासीय परिसर में जांच कर आयकर अन्वेषण की सभी टीमें शनिवार देर रात लौट गई. आयकर अन्वेषण की टीमों ने कैश, ज्वेलरी के साथ-साथ गड़बडिय़ों के ढेरों दस्तावेज भी सीज कर लिए है.

आयकर अन्वेषण की टीम शनिवार देर रात छापे की कार्रवाई पूरी कर मुख्यालय लौट गई है. शनिवार शाम को राजधानी के एक दफ्तर और एक आवासीय परिसर में टीम ने सत्यम बालाजी समूह के संचालकों का बयान दर्ज कर छापे की कारवाई पूरी कर ली है. सभी ठिकानों की जांच में कैश में कामकाज किए जाने के साथ-साथ बुक्स के रिकार्डस में भी अनियमितताएं मिली है. इसके साथ ही कच्चे में लेनदेन किए जाने के भी पेपर्स मिले हैं.

अब तैयार होगी अप्रेजल रिपोर्ट

आयकर अन्वेषण की छत्तीसगढ़ की सभी टीमों ने लौटकर जब्त दस्तावेज मुख्यालय में जमा कर दिया है. अब अगले चरण में राइस मिल संचालकों और कमीशन एजेंट्स व राइस ब्रोकर्स से मिले दस्तावेज की वाहन जांच कर अप्रेजल रिपोर्ट तैयार की जाएगी. ज्ञात रहे कि बीते सप्ताह बुधवार को राजधानी रायपुर के साथ ही राजिम, धमतरी, राजनांदगांव, दुर्ग, तिल्दा के साथ ही गोंदिया (महाराष्ट्र) और काकीनाड़ा (आंध्रप्रदेश) मिलाकर 25 ठिकानों पर आयकर छापे की कार्रवाई की थी. इस अभियान में आयकर अन्वेषण छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश के करीब सौ अफसर शामिल थे.

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवे पर्यावारण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंर्तराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढिए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address ::
Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

राज्य के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के लिए एआई पर एक दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

❒ शासकीय कार्य में एआई के उपयोग और संभावित लाभों के प्रति किया गया जागरूक

❒ प्रदेश के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने लिया कार्यशाला में भाग

रायपुर | आरएनएस

इलैक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के अन्तर्गत छत्तीसगढ़ इंफोटेक प्रमोशन सोसायटी (चिप्स) के द्वारा राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर एक दिवसीय कार्यशाला का आज आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद, बसवा राजु, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव कमल प्रीत सिंह, तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव एस.भारतीदासन, उर्जा विभाग के विशेष सचिव अंकित आनंद, एन.आर. डी.ए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौरभ कुमार, आई. जी. राम गोपाल गर्ग सहित 100 से अधिक अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की प्रमुख सचिव मती निहारिका सिंह बारिक ने कहा कि तीव्र गति से परिवर्तित टेक्नालॉजी के इस दौर में राज्य के अंतिम व्यक्ति तक सुशासन की पहुँच बनाने के लिए इमर्जिंग टेक्नोलॉजी की जानकारी इस कार्यशाला में दी जायेगी । निहारिका सिंह बारिक ने कहा कि ए.आई. तकनीक हमारी सोच से अधिक गति से परिवर्तन ला रहा है। ए.आई. से हमारी अनेक समस्याओं का त्वरित समाधान प्राप्त किया जा सकता है और शासकीय सेवा वितरण एवं नीति निर्माण में भी इसका प्रभावी उपयोग किया जा सकता है । इन्हीं कारणों से आज की इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला के प्रथम सत्र के समापन पर उपस्थित समस्त वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को धन्यवाद प्रेषित करते हुए चिप्स के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभात मालिक ने कहा कि एआई तकनीक का उपयोग शासन और प्रशासन में दक्षता बढाने एवं त्वरित निर्णय लेने में किया जा सकता है। इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य शासकीय कार्यों में प्रौद्योगिकी के समुचित उपयोग को प्रोत्साहित करना है । नई दिल्ली से आये एआई के विशेषज्ञ डॉ. शिवा कक्कर ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए बताया कि विश्व में सर्वप्रथम टेक्नॉलाजी का उपयोग टेक्सटाईल उद्योग में किया गया। वर्ष 2022 के पश्चात सम्पूर्ण विश्व में एआई तकनीक का तीव्र गति से विस्तार हुआ। डॉ. शिवा ने बताया कि पहले यह माना जाता रहा है कि तकनीक के प्रयोग से रोजगार के अवसर कम होते हैं , परंतु वास्तविकता यह है कि नवीन तकनीक के माध्यम से नवीन कौशल को ज्यादा रोजगार प्राप्त होता है। कार्यशाला में एआई तकनीक के श्रेष्ठ उपयोग की जानकारी देते हुए डॉ. शिवा कक्कर ने चैट जीपीटी, मैटा, गूगल नोट बुक एल.एम्. जैसे अन्य प्रासंगिक एवं उपयोगी टूल्स की विस्तृत जानकारी प्रदान की । कार्यशाला के समापन पर धन्यवाद प्रस्तावित करते हुए चिप्स के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभात मलिक ने बताया कि चिप्स द्वारा इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के विभिन्न विषयों पर प्रतिमाह कार्यशालाओं का आयोजन किया जायेगा।